कानपुर, बुधवार, 25 मार्च, 2026
वर्षः 03, अंकः 76, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड नवरात्रि की सातवीं देवी मां कालरात्रि की पावन कथा...>Pg12

कारगिल पार्क की झील में मिला किशोर का शव...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

कानपुर में जहरीली गैस से जीजा-साले की जिंदगी खत्म

सीवर टैंक बना मौत का कुआं

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के गोवा गार्डन स्थित एक अपार्टमेंट में बुधवार सुबह सीवर टैंक की सफाई के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। जहरीली गैस की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत हो गई। घटना ने एक बार फिर सीवर सफाई के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी और जिम्मेदारों की लापरवाही को उजागर कर दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कर्नलगंज निवासी इरफान अपने साले जावेद और आबिद के साथ सीवर टैंक की सफाई के लिए मौके पर पहुंचे थे। पहले चरण में तीनों ने टैंक की ऊपरी सतह की सफाई की और सुरक्षित बाहर आ गए। इसके बाद दूसरे चरण में जावेद और आबिद गहराई में उतर गए, जहां पहले से मौजूद जहरीली गैस की चपेट में आकर दोनों बेहोश हो गए। इरफान ने बताया कि काफी देर तक अंदर से कोई हलचल न होने पर उन्होंने शोर मचाया और तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एसडीआरएफ टीम को बुलाया। करीब एक घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद दोनों को बाहर निकाला गया और हैलट अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एसीपी कल्याणपुर आशुतोष यादव ने बताया कि प्रथम दृष्टया हादसे का कारण सीवर टैंक में जमा जहरीली गैस प्रतीत हो रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या मजदूरों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए थे और क्या संबंधित अपार्टमेंट प्रबंधन ने नियमों का पालन किया था या नहीं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सीवर सफाई के दौरान अक्सर मजदूरों को बिना किसी सुरक्षा किट के ही उतार दिया जाता है। यह हादसा उसी लापरवाही का परिणाम है। घटना के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है। कुल मिलाकर यह हादसा केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि फिर एक चेतावनी है कि यदि समय रहते सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू नहीं किया गया, तो ऐसे हादसे लगातार होते रहेंगे। मजदूरों की जान की कीमत पर होने वाली यह लापरवाही अब गंभीर जवाबदेही की मांग कर रही है।

○ रेस्क्यू में लगा एक घंटा, अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

○ शहर में पहले भी हो चुके ऐसे हादसे फिर भी सुरक्षा इंतजाम नाकाफी

सीवर सफाई के दौरान अनिवार्य सुरक्षा मानक

- गैस डिटेक्टर से टैंक की जांच के बाद ही प्रवेश
- ऑक्सीजन सिलेंडर और मास्क का उपयोग अनिवार्य
- सेफ्टी हार्नेस और रस्सी के साथ ही मजदूर को नीचे उतारा जाए
- टैंक के बाहर प्रशिक्षित निगरानी टीम मौजूद रहे
- पहले ब्लोअर मशीन से टैंक की जहरीली गैस बाहर निकाली जाए
- किसी भी स्थिति में बिना सुरक्षा उपकरण के मैन्युअल एंट्री न हो
- अधिकतम सफाई कार्य मशीनों से कराया जाए

पहले भी हो चुके ऐसे हादसे

- **2026 (कल्याणपुर ताजा मामला):** सीवर टैंक की सफाई के दौरान 2 मजदूरों की जहरीली गैस से मौत
- **2024:** शहर के अलग-अलग इलाकों में 2 छोटे हादसे, जिनमें मजदूर बेहोश हुए, समय रहते बचाव
- **2023:** सीवर लाइन में उतरने के दौरान 1 मजदूर की दम घुटने से मौत, 2 अन्य की हालत गंभीर
- **2022:** मैनहोल सफाई के दौरान 2 मजदूर गैस की चपेट में आए, अस्पताल में भर्ती
- **2021:** सीवर टैंक में उतरे 2 मजदूरों की हालत बिगड़ी, एक की मौत, एक बचा

अब तक क्या कार्रवाई और जांच

- पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है
- एसीपी स्तर पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है
- अपार्टमेंट प्रबंधन और ठेकेदार की भूमिका की जांच की जा रही है
- यह भी देखा जा रहा है कि क्या मैन्युअल स्कैवेंजिंग कानून का उल्लंघन हुआ
- प्रशासन ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है

हाईकोर्ट से स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को मिली अग्रिम जमानत

स्वराज इंडिया ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट से जुड़ी एक महत्वपूर्ण कानूनी कार्रवाई में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य मुकुंदानंद को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने दोनों की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर कर ली है। यह मामला माघ मेले के दौरान कथित तौर पर बटुक शिष्यों के यौन शोषण से जुड़ा हुआ है, जिसमें झूंसी थाने में दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपों के सामने आने के बाद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य मुकुंदानंद ने गिरफ्तारी से बचाव के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की थी। इस याचिका पर विस्तृत सुनवाई 27 फरवरी को पूरी हुई थी, जिसके बाद अदालत ने अपने फैसले को सुरक्षित रख लिया था। अब कोर्ट ने सुनवाई के आधार पर दोनों को अग्रिम जमानत प्रदान करते हुए राहत दी है।

➪ माघ मेले में शिष्यों के शोषण के आरोप में दर्ज एफआईआर, कोर्ट ने सुनवाई के बाद दी अंतरिम सुरक्षा

मामले में आरोप है कि माघ मेले के दौरान आश्रम से जुड़े कुछ बटुक शिष्यों ने यौन शोषण की शिकायत की थी। इन आरोपों के आधार पर पुलिस ने झूंसी थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। मामला सामने आने के बाद यह काफी चर्चाओं में रहा और

धार्मिक व सामाजिक हलकों में भी इसकी व्यापक प्रतिक्रिया देखने को मिली।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में यह स्पष्ट किया कि अग्रिम जमानत का अर्थ आरोपों से पूर्ण मुक्ति नहीं है, बल्कि यह केवल गिरफ्तारी से अस्थायी राहत प्रदान करता है। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिए हैं कि आरोपी जांच में पूरा सहयोग करेंगे और किसी भी प्रकार से साक्ष्यों या गवाहों को प्रभावित करने का प्रयास नहीं करेंगे।

कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह के मामलों में अग्रिम जमानत का निर्णय कई तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर लिया जाता है, जिसमें आरोपों की गंभीरता, साक्ष्यों की स्थिति और अभियुक्तों का आचरण प्रमुख होते हैं। फिलहाल, पुलिस की जांच जारी है और आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों के आधार पर तय होगी।

इस मामले ने एक बार फिर धार्मिक आयोजनों और आश्रमों में सुरक्षा एवं पारदर्शिता के मुद्दों को केंद्र में ला दिया है। प्रशासन और आयोजकों के लिए यह एक संकेत है कि ऐसे आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में इस प्रकार के आरोप सामने न आएं।

कानपुर दिवस समारोह में शहर के विकास पर मंथन, उत्कृष्ट हस्तियों का हुआ सम्मान

मर्चेन्ट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश एवं कानपुर पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में हुआ आयोजन

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। मर्चेन्ट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश एवं कानपुर पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में कानपुर दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। समारोह में आए अतिथियों का स्वागत स्वागताध्यक्ष तिलकराज शर्मा एवं नरेश महेश्वरी ने किया। इस अवसर पर कानपुर पंचायत के संयोजक धर्म प्रकाश गुप्त ने बताया कि कानपुर, बिठूर, मूसानगर और जाजमऊ के त्रिकोण में स्थित एक प्राचीन, आध्यात्मिक एवं औद्योगिक नगर है, जिसे 24 मार्च 1803 को आधिकारिक रूप से जिला घोषित किया गया था। उन्होंने कहा कि कानपुर पंचायत वर्षों से शहर के इतिहास, संस्कृति, पर्यटन और विकास को बढ़ावा देने

के लिए निरंतर प्रयासरत है।

पर्यटन विकास में अपार संभावनाएं: डॉ. रोहतगी

प्रख्यात समाजसेवी डॉ. इन्द्रमोहन रोहतगी ने कहा कि कानपुर में पर्यटन और विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं, लेकिन उन्हें धरातल पर उतारने के लिए मजबूत इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। उन्होंने ऐतिहासिक और पौराणिक स्थलों के विकास पर जोर दिया, जिससे शहर में पर्यटन को बढ़ावा मिल सके।

वास्तु और ज्योतिष के नजरिए से विकास पर चर्चा

समारोह के तहत कानपुर का विकास-वास्तुशास्त्र एवं ज्योतिष की दृष्टि में विषय पर गोष्ठी आयोजित की गई। प्रसिद्ध वास्तुविद विमल झाझरिया ने कहा कि गंगा के प्रवाह में

बदलाव और प्रदूषण के कारण शहर की सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित हुई है, जिससे विकास बाधित हुआ। उन्होंने नागरिकों से गंगा को प्रदूषण मुक्त करने का आह्वान किया।

वहीं ज्योतिषविद शिवांग मिश्रा ने कानपुर की कुंडली के आधार पर कहा कि वर्तमान ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति के अनुसार शहर का विकास दक्षिण-पूर्व दिशा में संभावित है, लेकिन शनि और बृहस्पति के वक्री होने से योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधाएं आती हैं। उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

कार्यक्रम में शहर के पौराणिक, ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों पर आधारित वृत्तचित्र के अंश भी प्रदर्शित किए गए, जिसने उपस्थित लोगों को शहर की विरासत से जोड़ने का कार्य किया।

विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं का सम्मान

समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया। इनमें न्यूरो चिकित्सा क्षेत्र में डॉ. नवनीत कुमार, महिला क्रिकेट में अर्चना देवी, रक्षा उत्पाद क्षेत्र में मनोज गुप्ता (रूबी), औद्योगिक क्षेत्र में महिला उद्यमी सुचेता बाही और नाट्य कला के क्षेत्र में संगीत नाटक अकादमी से सम्मानित डॉ. ओमेन्द्र शामिल रहे।

कार्यक्रम का संचालन धर्म प्रकाश गुप्त ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन गोल्डी समूह के सुदीप गोयनका ने किया।

टीबी उन्मूलन के संकल्प के साथ निक्षय वाहन को हरी झंडी

» विश्व क्षयरोग दिवस पर 25 मरीजों को दी गई निक्षय पोषण पोटली

» 58 टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों के प्रधान सम्मानित, 16 निक्षय मित्रों को मिला प्रमाण पत्र

» हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीन से जांच की व्यवस्था, जनभागीदारी से टीबी खत्म करने का आह्वान

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। विश्व क्षयरोग दिवस के अवसर पर सोमवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार से निक्षय वाहन को हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में किदवई नगर के विधायक महेश त्रिवेदी, विधान परिषद सदस्य सलिल विश्नोई तथा घाटमपुर की विधायक सरोज कुरील ने संयुक्त रूप से निक्षय वाहन को रवाना किया। इस दौरान 25 क्षयरोगियों को निक्षय पोषण पोटली वितरित की गई और चिकित्सा शिविर में हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीन के माध्यम से जांच की व्यवस्था भी की गई।कार्यक्रम के दौरान इस वर्ष के विश्व क्षयरोग दिवस की थीम Yes! We Can End TB – Led by Bharat, Powered by Janbhagidari" पर विशेष जोर दिया गया और जनभागीदारी के माध्यम से टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने का आह्वान किया गया।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कानपुर मंडल डॉ. जी.के. मिश्रा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी तथा जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. सुबोध प्रकाश को बधाई प्रेषित की गई।

इस अवसर पर टीबी मुक्त घोषित 58 ग्राम पंचायतों के प्रधानों को महात्मा गांधी की कांस्य एवं रजत प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में वर्ष 2025 के दौरान निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत सहयोग देने वाले 16 निक्षय मित्रों को भी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। उनसे अपील की गई कि वे आगे भी क्षयरोगियों को पोषण पोटली उपलब्ध कराने में सक्रिय सहयोग देते रहें।कार्यक्रम में उप जिला क्षयरोग अधिकारी, विश्व स्वास्थ्य संगठन के सलाहकार, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी तथा टीबी चैंपियन रश्मि सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

झकरकटी तालाब का होगा कायाकल्प 4.32 करोड़ रुपये किए जाएंगे खर्च

नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण, विकास कार्यों में समन्वय के निर्देश

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम क्षेत्र के झकरकटी बस अड्डे के पास स्थित तालाब का जल्द ही कायाकल्प किया जाएगा। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने मंगलवार को मौके पर पहुंचकर सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता जैदी, एआरएम झकरकटी पंकज तिवारी, रोडवेज के आरएम पी.के. शर्मा, अधिशाषी अभियंता आर.के. सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने बताया कि 15वें वित्त आयोग के तहत 4.32 करोड़ रुपये की लागत से तालाब संरक्षण व सौंदर्यीकरण परियोजना स्वीकृत की गई है, जिसका कार्यादेश 15.03.2024 को जारी किया गया था।

परियोजना के अंतर्गत तालाब किनारे स्टोन पिचिंग, पाथवे निर्माण, आरओ प्लांट, डस्टबिन, बेंच, हाईमास्ट व पोल लाइट, टॉयलेट ब्लॉक और बाउंड्रीवाल का निर्माण किया जाएगा। यह योजना वर्षा जल व भूगर्भ जल संरक्षण को ध्यान में रखकर तैयार की गई है।

नगर आयुक्त ने निर्देश दिए कि झकरकटी क्षेत्र में चल रहे मेट्रो और यूपीएसआरटीसी परियोजनाओं के साथ तालाब सौंदर्यीकरण कार्य का बेहतर समन्वय किया जाए, ताकि नागरिकों को बस अड्डे पर बेहतर सुविधाएं और सौंदर्यपूर्ण वातावरण मिल सके।

फजलगंज में 3.90 करोड़ की बारातशाला तैयार, अप्रैल से होगी बुकिंग

» निगर आयुक्त का निरीक्षण, अवैध कब्जे हटाने और अतिक्रमण पर सख्ती के निर्देश

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। जोन-5 के फजलगंज क्षेत्र में बन रही आधुनिक बारातशाला का निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने मंगलवार को निर्माण स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

करीब 3.90 करोड़ रुपये की लागत से बन रही इस बारातशाला का निर्माण 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है। लगभग 2014 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बनी इस सुविधा में भूमितल और प्रथम तल पर हॉल, 5 अटैच बाथरूम वाले कमरे, पुरुष व महिला शौचालय, रिसेप्शन, लॉन और करीब 50 वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है। हॉल में 300-400 लोगों के बैठने की क्षमता होगी।नगर आयुक्त ने निर्देश दिए कि एक सप्ताह के भीतर लॉन में घास लगाने समेत सभी शेष कार्य पूरे कर लिए जाएं, ताकि अप्रैल की शुरुआत से ही बुकिंग शुरू की जा सके और क्षेत्रीय नागरिकों को इसका लाभ मिलना प्रारंभ हो।निरीक्षण के दौरान परिसर में एक कमरे में अवैध कब्जा भी पाया गया, जिस पर नगर आयुक्त ने तत्काल कब्जा हटाने और पास में बने मार्केट की स्वामित्व जांच कराने के निर्देश दिए।

छात्रावासों से कपड़ा सुखाने के पाइप हटे पंखों में लगाए जा रहे स्प्रिंग डिवाइस

विशेषज्ञ बोले, सिर्फ संरचनात्मक बदलाव नहीं, मानसिक स्वास्थ्य पर भी फोकस जरूरी

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। आईआईटी कानपुर प्रशासन ने छात्रावासों में सुरक्षा को लेकर एक अहम और संवेदनशील फैसला लिया है। संस्थान ने हॉस्टलों में कपड़े सुखाने वाले पाइप हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, वहीं सीलिंग फैन में स्प्रिंग-लोडेड सेफ्टी डिवाइस लगाए जा रहे हैं, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब संस्थान में पिछले कुछ वर्षों में फांसी लगाकर आत्महत्या के नौ मामले सामने आ चुके हैं। आंकड़ों के अनुसार, देश के 23 आईआईटी संस्थानों में यह संख्या सबसे अधिक बताई जा रही है, जिसने प्रशासन और समाज दोनों को चिंतित कर दिया है। संस्थान में इस समय करीब 14 छात्रावास संचालित हैं, जिनमें लगभग 9000 छात्र-छात्राएं रह रहे हैं। इतने बड़े छात्र समुदाय की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर यह फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रशासन के अनुसार, छात्रावासों में लगे पाइप और सामान्य सीलिंग फैन आत्महत्या के संभावित साधन बन सकते हैं। इसी जोखिम को कम करने के लिए इन संरचनात्मक बदलावों को लागू किया जा रहा है। स्प्रिंग-लोडेड डिवाइस ऐसे बनाए जाते हैं कि उन पर अत्यधिक वजन पड़ने पर वे स्वतः झुक या टूट जाते हैं, जिससे फांसी लगाना संभव नहीं हो पाता।

हालांकि, इस फैसले ने एक बड़ी बहस को जन्म दे दिया है। विशेषज्ञों और शिक्षाविदों का मानना है कि केवल भौतिक ढांचे में बदलाव करना इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। उनका कहना है कि छात्रों पर बढ़ता शैक्षणिक दबाव, प्रतिस्पर्धा, अकेलापन और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं आत्महत्या के मूल कारण हैं, जिन पर गहराई से काम करने की जरूरत है।

मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में पढ़ने वाले छात्र अक्सर उच्च अपेक्षाओं, पारिवारिक दबाव और करियर को लेकर असुरक्षा की भावना से जूझते हैं। ऐसे में काउंसलिंग सिस्टम को मजबूत करना, नियमित मानसिक स्वास्थ्य सत्र आयोजित करना और छात्रों के लिए सहज संवाद का माहौल बनाना अत्यंत आवश्यक है। वहीं, कुछ छात्र संगठनों ने भी इस कदम को ÷आंशिक समाधान÷ करार दिया है। उनका कहना है कि प्रशासन को छात्रों के साथ संवाद बढ़ाने, हेल्पलाइन सेवाओं को सक्रिय करने और 24म7 मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराने जैसे ठोस उपाय करने चाहिए।

यह भी सवाल उठ रहा है कि क्या यह समस्या केवल संरचनात्मक है या इसके पीछे गहरे सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारण छिपे हैं। यदि ऐसा है, तो केवल पाइप हटाने और पंखों में बदलाव करने से स्थिति में कितना सुधार आएगा, यह आने वाला समय ही बताएगा।

फिलहाल, आईआईटी कानपुर प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि वह इस दिशा में और भी व्यापक कदम उठाने पर विचार कर रहा है, ताकि छात्र सुरक्षित और मानसिक रूप से स्वस्थ वातावरण में अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

कुल आंकड़े

- वर्ष 2005 से 2024 के बीच आईआईटी कानपुर में कम से कम 18 छात्रों की आत्महत्या दर्ज की गई है।
- यह संख्या देश के शीर्ष आईआईटी संस्थानों में सबसे अधिक मामलों में शामिल है।

2024-2026 में तेजी

- पिछले 2 वर्षों (2024-2026) में ही 9 आत्महत्या के मामले सामने आए हैं।
- यह देश के सभी 23 आईआईटी में हुई कुल घटनाओं का लगभग 30त्न है–जो सबसे ज्यादा है।

अन्य संबंधित घटनाएं (छात्र/स्टाफ)

- 2026: जूनियर टेक्नीशियन की कैंपस में संदिग्ध आत्महत्या।
- 2025: संस्थान से जुड़े एक सॉफ्टवेयर डेवलपर ने भी आत्महत्या की।
- (हालांकि ये छात्र नहीं थे, लेकिन कैंपस के मानसिक दबाव और माहौल पर सवाल उठाते हैं।

पैटर्न क्या दिखता है?

- अधिकतर मामलों में फांसी लगाना प्रमुख तरीका रहा
- कई केस में मानसिक तनाव, बीमारी, या अकादमिक दबाव सामने आया
- कुछ मामलों में सुसाइड नोट भी मिले

पूरे देश में 20 साल में...

- पिछले 20 वर्षों में सभी आईआईटी में 150+ छात्र आत्महत्याएं दर्ज हुई हैं।
- इनमें से हाल के 5 वर्षों में तेजी से वृद्धि देखी गई है।

हालिया प्रमुख घटनाएं

- दिसंबर 2025: फाइनल ईयर बीटेक छात्र जय सिंह मीणा हॉस्टल रूम में मृत पाए गए।
- 2. जनवरी 2026: पीएचडी स्कॉलर रामस्वरूप इश्रम ने कैंपस की बिल्डिंग से कूदकर जान दी।
- 10 जनवरी: एमटेक छात्र (एयरोस्पेस) की हॉस्टल में मौत।
- 18 जनवरी: पीएचडी छात्रा की संदिग्ध आत्महत्या।
- फरवरी 2025: केमिस्ट्री विभाग के पीएचडी छात्र की आत्महत्या का मामला सामने आया।

सांसद रमेश अवस्थी ने सपरिवार प्रधानमंत्री से की शिष्टाचार भेंट

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली/कानपुर। कानपुर के सांसद रमेश अवस्थी ने बुधवार को सपरिवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात आत्मीय और गरिमामयी माहौल में संपन्न हुई, जिसे परिवार ने एक यादगार और भावुक क्षण के रूप में साझा किया।

भेंट के दौरान प्रधानमंत्री ने सांसद के पुत्र सचिन और पुत्रवधू नूपुर को विवाह उपरांत आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री के स्नेह और अपनत्व ने पूरे परिवार को भावुक कर दिया।

सांसद रमेश अवस्थी ने प्रधानमंत्री को ÷ऑपरेशन सिंदूर÷ की सफलता और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के प्रतीक के रूप में ब्रह्मोस मिसाइल का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने कानपुर में तेजी से चल रहे विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार जताया।

पुत्र-वधू को मिला आशीर्वाद, ब्रह्मोस प्रतीक चिन्ह भेंट कर जताया आभार

मुलाकात के दौरान सांसद ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व को देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में देश नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह भेंट केवल औपचारिक नहीं रही, बल्कि इसमें आत्मीयता, सम्मान और राष्ट्र सेवा के संकल्प की झलक स्पष्ट दिखाई दी।

कारगिल पार्क की झील में मिला किशोर का शव, परिवार में मचा कोहराम

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर के मोतीझील स्थित कारगिल पार्क की झील में बुधवार सुबह एक 14 वर्षीय किशोर का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही स्वरूप नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम के साथ जांच-पड़ताल शुरू की। बाद में शव की पहचान बिठूर के चौधरीपुर निवासी सुबोध सिंह के रूप में हुई।

पुलिस के अनुसार, शुभम मानसिक रूप से अस्वस्थ था और अपनी मां के साथ छोटी गुटैया स्थित मायके में रह रहा था। उसके पिता बाबू सिंह ने पारिवारिक परिस्थितियों के चलते उसे पहले ही छोड़ दिया था। बताया जा रहा है कि सुबोध की मां भी मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं, जिससे परिवार की स्थिति काफी संवेदनशील बनी हुई थी।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि मंगलवार रात करीब 10 बजे सुबोध बिना किसी को बताए घर से निकल गया था। वह पहले भी कई बार घर से चला जाता था और कुछ समय बाद वापस लौट आता था, लेकिन इस बार वह रातभर घर नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

मानसिक रूप से अस्वस्थ था किशोर, रात में बिना बताए घर से निकला था

बुधवार सुबह कारगिल पार्क की झील में एक शव उतराता देख स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया और पहचान की प्रक्रिया शुरू की। कुछ ही देर में परिजन भी मौके पर पहुंच गए और शव की पहचान सुबोध के रूप में की। यह देख परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

स्वरूप नगर थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला डूबने से मौत का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। फोरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

घटना के बाद इलाके में शोक और चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पार्क और झील क्षेत्र में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं, जिससे इस तरह की घटनाएं होने का खतरा बना रहता है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले की गहन जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

इस बाबत पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि स्वरूप नगर क्षेत्र के मोतीझील में एक नाबालिग का शव मिला। सूचना पर पुलिस ने शव बाहर निकलवाया। पहचान शुभम करीब 14 वर्ष के रूप में हुई। वह मानसिक रूप से कमजोर था और अक्सर घूमता रहता था। आशंका है कि वह झील में डूब गया। परिजनों ने कोई आरोप नहीं लगाया। शव पोस्टमार्टम भेजकर विधिक कार्रवाई जारी है।

रामनवमी पर यूपी में दो दिन का अवकाश
26 और 27 मार्च को छुट्टी घोषित

जनभावनाओं का सम्मान करते हुए राज्य सरकार का बड़ा फैसला, सरकारी दफ्तर व शिक्षण संस्थान रहेंगे बंद

- 26 और 27 मार्च को प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित
- रामनवमी पर्व के मद्देनजर लिया गया फैसला
- सभी सरकारी कार्यालय और शिक्षण संस्थान रहेंगे बंद
- अयोध्या सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों पर विशेष आयोजन
- सुरक्षा व्यवस्था के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात
- स्वास्थ्य, बिजली, पानी जैसी आवश्यक सेवाएं रहेंगी चालू
- छुट्टी से बाजारों और स्थानीय व्यापार को मिल सकता है बढ़ावा

» स्वराज इंडिया संवाददाता

लखनऊ।उत्तर प्रदेश सरकार ने आगामी रामनवमी के पर्व को लेकर बड़ा फैसला लेते हुए प्रदेश में दो दिन के सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। सरकार ने 26 मार्च के साथ-साथ 27 मार्च को भी अवकाश घोषित कर दिया है। यह निर्णय प्रदेश में धार्मिक आस्था और जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।सरकारी आदेश के अनुसार, 26 मार्च को पहले से निर्धारित अवकाश के अतिरिक्त 27 मार्च को भी सभी सरकारी कार्यालय, शिक्षण संस्थान और कई अन्य सार्वजनिक सेवाएं बंद रहेंगी। इस फैसले से प्रदेश के लाखों कर्मचारियों, छात्रों और आम नागरिकों को राहत मिलेगी और वे पूरे उत्साह के साथ पर्व मना सकेंगे।रामनवमी भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में पूरे देश में श्रद्धा और धूमधाम से मनाई जाती है। उत्तर प्रदेश में इसका विशेष महत्व है, खासकर अयोध्या में जहां भव्य आयोजन होते हैं। इस वर्ष भी अयोध्या समेत प्रदेश के कई जिलों में बड़े स्तर पर धार्मिक कार्यक्रम, शोभायात्राएं और पूजा-अर्चना आयोजित की जा रही हैं।सरकार के इस निर्णय को आम जनता और विभिन्न संगठनों द्वारा सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। लोगों का कहना है कि दो दिन की छुट्टी मिलने से वे न केवल धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल हो सकेंगे बल्कि परिवार के साथ समय भी बिता पाएंगे।प्रशासन ने इस दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा और प्रमुख मंदिरों व आयोजन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी। साथ ही, ट्रैफिक प्रबंधन के लिए भी विशेष योजना बनाई गई है ।

ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।इस निर्णय से प्रदेश में त्योहार का माहौल और अधिक उत्साहपूर्ण होने की उम्मीद है। दो दिन की छुट्टी से बाजारों में भी रौनक बढ़ने की संभावना है, जिससे व्यापारियों को लाभ मिल सकता है।

29 मार्च को प्रांतीय अभ्यास वर्ग में जुटेंगे
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के कार्यकर्ता

रमईपुर नौबस्ता स्थित एस. जे. महाविद्यालय में होगा आयोजन, राष्ट्रीय पदाधिकारी देंगे प्रशिक्षण

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास कानपुर प्रांत द्वारा एक दिवसीय प्रांतीय अभ्यास वर्ग का आयोजन 29 मार्च, रविवार को रमईपुर नौबस्ता स्थित एस. जे. महाविद्यालय में किया जाएगा। इस अभ्यास वर्ग में न्यास के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रदेश भर से आए कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यक्रम सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक विभिन्न सत्रों में आयोजित होगा, जिसमें प्रांत के अलग-अलग जिलों और शहरों से कार्यकर्ता भाग लेंगे। इस दौरान संगठन के विभिन्न आयामों, कार्यशैली और लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।न्यास की संयोजिका डॉ. बिंदू सिंह ने बताया कि अभ्यास वर्ग का मुख्य उद्देश्य नए और दायित्ववान कार्यकर्ताओं को संगठन के कार्यों के प्रति प्रशिक्षित करना है। इसमें कार्यकर्ताओं को संगठन विस्तार, टीम निर्माण और नए सदस्यों को जोड़ने की विधियों से अवगत कराया जाएगा। साथ ही पंच परिवर्तन से समाज परिवर्तन विषय पर विशेष व्याख्यान भी आयोजित होगा।उन्होंने बताया कि कार्यकर्ताओं के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें वैचारिक, संगठनात्मक और व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। अभ्यास वर्ग में यह भी बताया जाएगा कि एक कार्यकर्ता को व्यापक स्तर पर कार्य करने के लिए किस प्रकार तैयार किया जाए, जिससे वह राष्ट्रहित में प्रभावी भूमिका निभा सके।

अभ्यास वर्ग में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक श्रीराम, विवेकानंद विश्वविद्यालय सागर के कुलाधिपति डॉ. अजय तिवारी, न्यास के राष्ट्रीय सह संयोजक संजय स्वामी, इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष एवं प्रांतीय अध्यक्ष प्रो. अवनीश कुमार, पीपीएन डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अनूप सिंह तथा वैदिक गणित के राष्ट्रीय सह संयोजक राकेश भाटिया सहित कई विशिष्टजन उपस्थित रहेंगे।

कार्यकर्ताओं में भरेगा राष्ट्र सेवा का उत्साह

अभ्यास वर्ग के दौरान राष्ट्रीय पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए संगठन के विस्तार, सामाजिक दायित्वों और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए मार्गदर्शन देंगे। इससे कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार होने की उम्मीद है।

पूर्व सपा एमएलसी कमलेश पाठक समेत 9 को गैंगस्टर एक्ट में सजा

लखनऊ/औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद स्थित विशेष एमपी/एमएलए कोर्ट ने एक अहम और सख्त फैसला सुनाते हुए पूर्व सपा एमएलसी कमलेश पाठक समेत उनके गिरोह के 9 सदस्यों को गैंगस्टर एक्ट के तहत दोषी करार दिया है। अदालत ने कमलेश पाठक को गिरोह का सरगना मानते हुए 6 वर्ष के कठोर कारावास और 1 लाख रुपये के आर्थिक दंड की सजा सुनाई। वहीं, उनके दो भाइयों सहित अन्य 8 सहयोगियों को 5-5 वर्ष के कारावास और 50-50 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया गया।

यह मामला 15 मार्च 2020 को हुए चर्चित दोहरे हत्याकांड से जुड़ा है। औरैया के मोहल्ला नारायणपुर स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर में अधिवक्ता मंजुल चौबे और उनकी चचेरी बहन सुधा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज वारदात ने पूरे प्रदेश में कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए थे।

घटना के बाद पुलिस ने गहन जांच करते हुए जुलाई 2020 में कमलेश पाठक और उनके गिरोह के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की थी। लंबी सुनवाई और साक्ष्यों के परीक्षण के बाद कोर्ट ने यह फैसला सुनाया।

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, कानपुर देहात

पत्रांकः एस0एस0ए0/के0जी0बी0वी0 / खा0नि0/2025-26 **दिनांक 24/03/26**

जेम निविदा विज्ञप्ति

महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उ0प्र0 लखनऊ के पत्रांक के0जी0बी0वी0 /8989/2025-26 दिनांक 19.02.2026 के द्वारा जनपद में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, गौर विकासखण्ड- अमरौधा में अध्ययनरत 200 छात्राओं के प्रयोगार्थ शैक्षिक सत्र 2026-27 में गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न सामग्री, दैनिक उपयोग सामग्री एवं अन्य सामग्री की आपूर्ति हेतु जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्राप्त अनुमोदन दिनांक 23.02.2026 के क्रम में जेम पोर्टल के माध्यम से निविदा संख्या GEM/2026/B/7380403 दिनांक 24.03.2026 निविदा में प्रतिभाग करने की अंतिम तिथि 09.04.2026 अपराह्न 10:00 बजे तक निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित नियम व शर्तें जेम पोर्टल पर उपलब्ध है।

(अजय कुमार मिश्र)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
कानपुर देहात

सम्पादकीय

बीमा कंपनियों व अस्पतालों का मकड़जाल

बीमा कारोबार की जटिलताएं हमेशा से ही आमजन के लिए एक अनसुलझी गुत्थी रही हैं। हमारी भविष्य की आशंकाओं व भय पर फल-फूल रहे इस कारोबार को लेकर गाहे-बगाहे परेशान करने वाली खबरें आती रहती हैं। लेकिन इसके बावजूद तेजी से फल-फूल रहे विभिन्न बीमा कारोबारों की विसंगतियां कम नहीं हुई हैं। इसी तरह मेडिकल बीमा को लेकर बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आती रही हैं। दरअसल, लगातार महंगी होती चिकित्सा सुविधाओं के दौर में, भविष्य में महंगे इलाज का खर्च उठाने का भरोसा दिलाकर बीमा कंपनियां लोगों को बीमा पॉलिसियां खरीदने को मानसिक रूप से तैयार कर लेती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जब वास्तव में कोई बीमार पड़ता है तो इलाज पर हुए खर्च के भुगतान को लेकर तमाम किंतु-परंतु बीमा कंपनियां करने लगती हैं। कई खामियां निकाली जाती हैं, जिनके बारे में बीमा धारक को पता ही नहीं होता है। कई बार तो छिपे-ढके कारण बताकर चिकित्सा खर्च की भरपाई करने से भी मना कर दिया जाता है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीए के आंकड़ों ने बीमा कंपनियों के मुनाफा खेल को उजागर किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2024 में छब्बीस हजार करोड़ रुपये के बीमा दावे खारिज किए गए थे। निस्संदेह, ये आंकड़ा बीमा कंपनियों तथा पांच सितारा अस्पताल प्रबंधकों के अपवित्र गठबंधन को ही दर्शाता है। बाकायदा पिछले दिनों राज्यसभा में निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के अपवित्र गठजोड़ का मामला उठाया गया। जो हर साल हजारों लोगों को कर्ज व गरीबी की दलदल में धकेल देता है। अक्सर आरोप लगता है कि मरीजों को उपचार के मुकाबले बेहद कम राशि का भुगतान किया जाता है। ऐसा नहीं है कि प्राइवेट अस्पतालों व बीमा कंपनियों के मध्य सांठगांठ के मामले सामने नहीं आते। लेकिन हमारा नियामक-तंत्र सारे घटनाक्रम की अनदेखी कर देता है। विडंबना यह भी है कि केंद्र व राज्य सरकारों के स्तर पर भी इस मुनाफाखोरी पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया जाता है, जिससे लोगों को उलटे उस्तरे से मूंडने का खेल बदस्तूर जारी रहता है।दरअसल, लोग जब कोई स्वास्थ्य बीमा कराते हैं तो उन बारीकियों के बारे में नहीं बताया जाता है, जिसके आधार पर मरीजों के चिकित्सा बीमा राशि को खारिज किया जाता है। अक्सर इलाज के बड़े खर्चे के दावे को कई मीन-मेख निकालकर नकार दिया जाता है। कई बार तो अमानवीयता की हदें भी सामने आती हैं जब मरीज की मृत्यु पर, खर्च चुकाने में असमर्थ होने पर अस्पताल प्रबंधक परिजनों को पार्थिव शरीर तक को देने से मना कर देते हैं। जबकि इस बारे में अदालत व सरकार की तरफ से सख्त आदेश हैं कि बकाया राशि के लिए किसी मरीज के शव को रोका नहीं जा सकता। दरअसल, चिकित्सा बीमा आज देश-दुनिया में बड़ा कारोबार बन गया है। लेकिन पश्चिमी देशों में भुगतान में ईमानदारी व कार्यशैली में पारदर्शिता से इस व्यवसाय का विस्तार हुआ है। लेकिन भारत में ईमानदारी, पारदर्शिता के अभाव व दोषपूर्ण कार्यशैली से चिकित्सा बीमा के औचित्य पर ही सवाल उठते हैं। सवाल उन सरकारी विभागों पर भी है, जो बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लगाने की पहल नहीं करती।

वक्त बदला है तो सास को भी बदलना होगा

निर्मल सचदेवा

हालांकि, अब महानगरों में बहुओं की पारंपरिक छवि टूट चुकी है। यों भी इन दिनों की नौकरियां ऐसी नहीं हैं कि नौकरी भी कर लो और घर के काम भी निपटा लो। इसलिए सहायक-सहायिकाओं की मदद लेनी पड़ती है।
पिछले...हालांकि, अब महानगरों में बहुओं की पारंपरिक छवि टूट चुकी है। यों भी इन दिनों की नौकरियां ऐसी नहीं हैं कि नौकरी भी कर लो और घर के काम भी निपटा लो। इसलिए सहायक-सहायिकाओं की मदद लेनी पड़ती है।पिछले दिनों अपने इसी अखबार के प्रथम पृष्ठ पर एक दिलचस्प खबर पढ़ी। इसमें बताया गया कि पंजाब के बठिंडा जिले के बल्लो गांव की पंचायत ने बेस्ट सास अवार्ड शुरू किया है। इसकी पहल गांव की सरपंच अमरजीत कौर ने की। इसे प्रति वर्ष आठ मार्च को यानी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिया जाएगा।

छह महिलाओं को पुरस्कृत भी किया गया। यह पुरस्कार किन महिलाओं को दिया जाए, इसके लिए पूरे गांव से रिपोर्ट ली जाएगी। बहुओं और पड़ोसियों की राय पर भी ध्यान दिया जाएगा। सरपंच अमरजीत कौर ने यह भी कहा कि इससे पारिवारिक सम्बंध मजबूत होंगे। समझदार सास घर की नींव होती है, जो अपनी बहू को अपनाकर घर को स्वर्ग बना देती है। इस अवसर पर सबसे अधिक पुस्तकें पढ़ने वाली महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। अपने समाज में लड़की को बचपन से ही सिखाया जाता है कि उसे पराए घर जाना है। पराए घर जाकर सास से निपटना है। सास की तस्वीर बहुत डरावने ढंग से पेश की जाती थी।बचपन की एक घटना अक्सर याद आती है। छठी कक्षा में पढ़ती थी। लड़कियों का स्कूल था। वहां एक बहुत वृद्ध महिला गणित पढ़ातीं। सफेद साड़ी ही पहनतीं। उनके बाल भी एकदम सन से सफेद थे। एक दिन गणित पढ़ाते-पढ़ाते, वे हम सब लड़कियों से कहने लगीं कि सिर्फ गणित पढ़ने से ही, सब कुछ नहीं होगा। जब ससुराल जाओगी तो वहां कैसे जीना है, यह सीखना पड़ेगा। एक लड़की ने पूछा कि बहन जी क्या सीखना होगा। तब वह हंसते हुए बोलीं कि सास के लिए इम्तिहान में पास होना। कैसा इम्तिहान, तो उन्होंने बताया कि हर सास का इम्तिहान लेने का तरीका अलग-अलग होता है। जैसे कि मेरी शादी जब हुई तो मैं बारह साल की थी। शादी के अगले दिन ही सास ने गेहूं और बाजरा मिलाकर सामने रख दिया कि इसे अलग-अलग करो। शाम तक काम पूरा करना है। घर के और काम भी थे। शाम क्या, पूरी रात हो गई, फिर भी नहीं कर पाई। इसी तरह एक दिन नमक और चीनी मिलाकर रख दी। नमक में से चीनी बीननी थी। शर्त यह भी थी कि चीनी से एक भी नमक का दाना चिपका नहीं रहना चाहिए।उनकी बातें सुनकर घबराहट-सी होने लगी। घर जाकर मां को सारी बात बताई। यह भी पूछा कि क्या अम्मा (दादी) भी तुम्हारे साथ ऐसा करती थीं। मां ने हंसकर कहा, तेरी अम्मा बड़ी कठोर स्वभाव की थीं। बहुओं को पर्दे में रखती थीं, उनकी हर बात को मानना भी पड़ता था, मगर ऐसा कभी नहीं किया। ये तो टाइम खराब करना हुआ कि बाजरे में गेहूं मिला दो और चीनी में नमक। इससे तो गेहूं साफ ही करा लिए जाते, जिससे कि काम बचता। और नमक से चीनी चाहे जितनी अलग कर ली हो, नमकीन हो गई होगी। मां ने चाहे जितना समझाया, लेकिन सास की तस्वीर ऐसी बनी रही। बड़ी होकर जब भी साथ की किसी लड़की की शादी होती और वह कहती कि उसकी सास बहुत अच्छी हैं, तो लगता कि झूठ बोल रही है। क्योंकि मान लिया था कि सास खराब ही होती हैं, जो अक्सर दिखता भी था।पुराने जमाने की हिंदी फिल्मों में भी ललिता पंवार मार्का सासें दिखाई देती थीं। जिनका पहला और आखिरी काम यही होता था कि वे बहू को कैसे सताएं। इसके लिए वे अपने बेटों को बहू को पीटने और शारीरिक हिंसा करने के लिए भी उकसाती थीं। जब बहू पिटती थी, दर्शक तालियां बजाते थे।

न्याय की सुलभता हो कानूनी शिक्षा का मकसद

गुणवत्ता-सार्थकता जरूरी

निरंजन शुक्ला

देश में कानूनी शिक्षा का स्वरूप 'न्याय की सुलभता' पर केंद्रित होना चाहिए। वकीलों को ग्रामीण और जिला स्तर की अदालतों के लिए भी तैयार करना जरूरी है।
विश्वविद्यालयों में ऐसे 'न्याय के प्रहरी' तैयार किये जाएं जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी हों तथा असल सामाजिक समस्याओं से भी गहरे जुड़े हों।भारत में कानूनी शिक्षा को केवल एक स्नातक डिग्री हासिल करने के माध्यम के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह एक जीवंत प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य ऐसे सजग 'सोशल इंजीनियर' तैयार करना है जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को न्याय दिला सकें। हाल ही में अश्विनी उपाध्याय बनाम भारत संघ (2026) मामले में उच्चतम न्यायालय की जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण टिप्पणी की।

स्पष्ट किया कि कानूनी शिक्षा जैसे नीतिगत मामलों में जल्दबाजी में निर्णय नहीं लिया जाएगा।यह वक्तव्य संकेत करता है कि वर्तमान में जारी 4 साल बनाम 5 साल की अवधि का विवाद केवल समय की गणना का नहीं, बल्कि 'गुणवत्ता, सार्थकता और परिपक्वता' का है। कानून कोई यांत्रिक या तकनीकी विषय नहीं जिसे सिर्फ सूत्रों से समझा जा सके; यह समाज, संस्कृति व नैतिकता के ताने-बाने से बुना हुआ है। सफल 'विधिवेत्ता' बनने के लिए छात्र को वे सामाजिक मूल्य आत्मसात करने हेतु पर्याप्त 'मानसिक स्पेस' व समय चाहिये।भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण देश में कानूनी शिक्षा का स्वरूप अनिवार्य रूप से न्याय की सुलभता पर केंद्रित होना चाहिए। वर्तमान शिक्षा प्रणाली का बड़ा दोष है कि यह मुख्यतया कॉर्पोरेट घरानों व उच्च न्यायालयों के लिए वकील तैयार करती है। हमें यह ढांचा बदलने की जरूरत है ताकि वकीलों को ग्रामीण और जिला स्तर की अदालतों के लिए भी समान रूप से तैयार किया जा सके। इसके लिए 'लोक अदालत' और 'मध्यस्थता' जैसे वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्रों को पाठ्यक्रम का अनिवार्य और व्यावहारिक हिस्सा बनाना होगा। क्षेत्रीय विश्वविद्यालयों की भूमिका यहां और भी अहम हो जाती है। उन्हें स्थानीय विधिक समस्याओं, जैसे ग्रामीण भूमि विवाद, पारिवारिक उत्तराधिकार और सामुदायिक न्याय प्रणालियों पर 'क्लीनिकल रिसर्च' को बढ़ावा देना चाहिए। जब तक कानून का छात्र जमीन से नहीं जुड़ेगा, न्याय की वास्तविक अवधारणा को नहीं समझ पाएगा।वैश्विक परिदृश्य में देखें तो कानूनी शिक्षा का ढांचा इस बुनियादी प्रश्न पर टिका है कि इसे 'सामान्य स्नातक' माना जाए या 'विशेषज्ञता वाला पेशा'। भारत में 5-वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम सबसे लोकप्रिय है, जो छात्र को शुरू से ही कानूनी परिवेश में ढाल देता है। इसके उलट, अमेरिका में कानून 'पोस्ट-ग्रैजुएट' शोध विषय है। पश्चिमी देशों में कानून 'अकादमिक अनुसंधान' का विषय है, जबकि भारत में इसे 'व्यावसायिक कौशल' तक सीमित कर देते हैं। विकसित देशों के संस्थान 'विधिक तर्कशीलता' के साथ ही विषयांतर अनुशासनात्मक शिक्षा पर बल दे रहे हैं। हमें भी अब कानून को डेटा साइंस, अर्थशास्त्र और मनोविज्ञान के साथ जोड़कर पढ़ाना होगा। अंतरिक्ष कानून, ऊर्जा कानून और खेल कानून जैसे उभरते क्षेत्रों को अपनाना वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिकने को अनिवार्य है।मौजूदा दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने विधिक शोध और दस्तावेज लेखन बेहद सरल बना दिया। अधिवक्ताओं को 'मशीनी निर्भरता' पर नियंत्रण रखना सीखना होगा। मशीनी एल्गोरिदम जानकारी तो दे सकते हैं, लेकिन उस 'मानवीय अंतर्दृष्टि' और 'व्यावसायिक नैतिकता' का स्थान नहीं ले सकते जो एक जटिल मामले में न्यायपूर्ण निर्णय के लिए जरूरी होती है। सफल अधिवक्ता वही होगा जो तकनीक को 'गुलाम' की तरह उपयोग करे, न कि उसका गुलाम बन जाए। 'लीगल डिजाइन थिंकिंग' का उपयोग कर कानून की जटिलताओं को सरल बनाकर आम आदमी के लिए सुलभ बना सकते हैं।भारतीय कानूनी जगत की विडंबना है कि न्याय की भाषा आज भी मुख्यतः अंग्रेजी है, जबकि बहुसंख्यक आबादी इस भाषा से अपरिचित है। 'बहुभाषी शिक्षा' और 'कानूनी अनुवाद' को बढ़ावा देना समय की मांग है। वास्तविक विधिक क्रांति तब आएगी जब एक वकील अपनी स्थानीय भाषा में जटिल कानूनों को समझा सके और न्यायालय में पैरवी कर सके। शिक्षा का माध्यम ऐसा हो जो भाषाई बाधाओं को तोड़ कानून की समझ को सर्वव्यापी बनाए। जब तक कानून की पढ़ाई बोझिल और औपनिवेशिक शब्दावली से मुक्त नहीं होगी।

गैस संकट में धुआं निगलते बच्चे: स्कूल में लकड़ी के चूल्हे पर बन रहा मिड डे मील

निर्देशों के बावजूद समय पर गैस आपूर्ति नहीं, बच्चों के स्वास्थ्य पर मंडराया खतरा

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। क्षेत्र में रसोई गैस की कमी का असर अब सरकारी स्कूलों की मिड डे मील व्यवस्था पर साफ नजर आने लगा है। प्राथमिक विद्यालय औरंगपुर सांभी में पिछले दो दिनों से मिड डे मील गैस सिलेंडर के बजाय लकड़ी के चूल्हे पर तैयार किया जा रहा है। प्रशासन के सख्त निर्देशों के बावजूद जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं चरमराती दिख रही हैं, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

विद्यालय में खाना बनाते समय उठने वाले घने धुएं के बीच रसोइयों को भोजन तैयार करना पड़ रहा है। इस दौरान स्कूल परिसर में मौजूद बच्चे भी धुएं के संपर्क में आ रहे हैं, जिससे उन्हें आंखों में जलन, सांस लेने में परेशानी जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबे समय तक धुएं के संपर्क में रहने से बच्चों के फेफड़ों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका रहती है।

प्रशासन की ओर से जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने पहले ही स्पष्ट निर्देश दिए थे कि किसी भी स्थिति में मिड डे मील योजना बाधित नहीं होनी चाहिए और गैस की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसके बावजूद समय पर गैस सिलेंडर की व्यवस्था न हो पाना स्थानीय स्तर पर समन्वय की कमी और लापरवाही को उजागर करता है। स्कूल की इंचार्ज अध्यापिका का कहना है कि खाना बनाते समय अचानक गैस सिलेंडर खत्म हो गया, जिसके बाद नए सिलेंडर की व्यवस्था के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वहीं संबंधित गैस एजेंसी का दावा है कि मांग मिलते ही सिलेंडर उपलब्ध करा दिया जाता है। इससे स्पष्ट है कि समस्या आपूर्ति से ज्यादा समन्वय और प्रबंधन में कमी की है।

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

- दो दिनों से लकड़ी के चूल्हे पर बन रहा मिड डे मील
- धुएं के कारण बच्चों और रसोइयों को स्वास्थ्य संबंधी खतरा
- प्रशासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद गैस आपूर्ति बाधित
- स्कूल प्रबंधन और गैस एजेंसी के बीच समन्वय की कमी उजागर
- प्रधानाध्यापिका की सीमित उपस्थिति पर भी उठे सवाल
- मिड डे मील योजना के उद्देश्य पर पड़ रहा नकारात्मक असर

सूत्रों के अनुसार, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका निरुपमा का स्कूल में सीमित समय तक उपस्थित रहना भी व्यवस्थाओं को प्रभावित कर रहा है। ऐसे में जिम्मेदारी तय करने और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। मिड डे मील योजना बच्चों के पोषण और उपस्थिति बढ़ाने के लिए चलाई जाती है, लेकिन इस तरह की लापरवाही से योजना का उद्देश्य ही प्रभावित हो रहा है। यदि जल्द ही व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है।

बिल्हौर में युवती का सड़क पर प्रदर्शन, लगा जाम

स्वराज इंडिया ब्यूरो

- 10-15 मिनट तक बाधित रहा यातायात, पुलिस के आश्वासन पर खत्म हुआ हंगामा

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर कस्बे में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक युवती अचानक कोतवाली गेट के सामने मुख्य मार्ग पर बैठकर विरोध प्रदर्शन करने लगी। बीच सड़क पर बैठने से यातायात कुछ समय के लिए बाधित हो गया और दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं।

बताया जा रहा है कि युवती ने कस्बे के ही एक प्रभावशाली व्यक्ति पर पैसों की ठगी का आरोप लगाया है। इसी विवाद को लेकर वह नाराज होकर सड़क पर बैठ गई और अपनी बात पर अड़ी रही। आसपास मौजूद लोगों ने उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं मानी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति संभाली और युवती को समझाने-बुझाने का प्रयास किया। करीब 10 से 15 मिनट तक चले इस घटनाक्रम के बाद पुलिस ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद युवती सड़क से हट गई। इसके बाद यातायात फिर से सामान्य हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और पूरे घटनाक्रम की पड़ताल की जा रही है।

पीएमश्री स्कूल पूरा में शिक्षा के साथ तकनीक को मिला बढ़ावा

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। पीएम श्री कंपोजिट स्कूल, पूरा में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा के साथ तकनीकी संसाधनों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय में स्थापित आईसीटी लैब का उद्घाटन किया गया, जिससे छात्रों को आधुनिक डिजिटल शिक्षा से जोड़ने की पहल की गई। खंड शिक्षा अधिकारी रवि कुमार सिंह ने फीता काटकर आईसीटी लैब का शुभारंभ किया।

- आईसीटी लैब का उद्घाटन, 70 छात्रों को बैग वितरण, करियर मार्गदर्शन से बढ़ा उत्साह

लैब में 11 कंप्यूटर स्थापित किए गए हैं, जो बच्चों की पढ़ाई को तकनीकी रूप से सशक्त बनाएंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी ज्ञान बेहद जरूरी है और इस तरह की सुविधाएं विद्यार्थियों के भविष्य को बेहतर बनाने में सहायक होंगी। कार्यक्रम के दौरान नियमित उपस्थिति के लिए 70 विद्यार्थियों को बैग वितरित कर सम्मानित किया गया। इस पहल से बच्चों में अनुशासन और पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ाने का प्रयास किया गया।साथ ही विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी भी दी गई, ताकि वे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार आगे की दिशा तय कर सकें।

अभिभावकों को भी बच्चों पर अनावश्यक दबाव न बनाने और उन्हें सकारात्मक माहौल देने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिवराजपुर की बेटी ने बढ़ाया मान, नवोदय परीक्षा में चयन

स्वराज इंडिया ब्यूरो

शिवराजपुर/बिल्हौर(कानपुर)। शिवराजपुर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय नदीहा धामू की कक्षा 5 की छात्रा वैष्णवी ने नवोदय प्रवेश परीक्षा 2026 में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। खास बात यह रही कि वह पूरे ब्लॉक से इस प्रतिष्ठित परीक्षा में चयनित होने वाली एकमात्र छात्रा हैं।

- सीमित संसाधनों के बीच हासिल की बड़ी उपलब्धि
- शिक्षकों के मार्गदर्शन में चमकी वैष्णवी

वैष्णवी राजीव कुमार और रेखा देवी की पुत्री हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने कड़ी मेहनत और लगन के दम पर यह मुकाम हासिल किया। उनकी इस सफलता से विद्यालय सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है।उपलब्धि पर आयोजित कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष शुभम बाजपेयी ने छात्रा को सम्मानित कर उसका उत्साहवर्धन किया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका डॉ. रुचि शुक्ला और शिक्षक सौरभ मिश्रा ने वैष्णवी की मेहनत की सराहना करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी कृपा शंकर यादव, एआरपी सुबोध शुक्ला, अरविंद शुक्ला, गजेंद्र यादव, सरिता कटियार और प्रगति रघु सक्सेना समेत विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

नींद की झपकी और ओवरटेक के चक्कर में ट्राले से भिड़ी बस

भीषण सड़क हादसा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» बस अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे ट्राले में जा घुसी

» आधा दर्जन यात्री घायल, ट्रक चालक केबिन में फंस गया

कानपुर देहात। दिल्ली से कालपी की ओर जा रही शताब्दी ट्रेवल्स की बस आज सुबह तड़के थाना राजपुर क्षेत्र के जैनपुर गांव के पास हादसे का शिकार हो गई। गलत दिशा से ओवरटेक करने और बस चालक को नींद की झपकी आने के कारण बस अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे ट्राले में जा घुसी। इस भिड़ंत में बस सवार आधा दर्जन यात्री घायल हो गए, जबकि ट्रक चालक गंभीर रूप से केबिन में फंस गया।

प्रत्यक्षदर्शी श्रीकांत सिंह के अनुसार, शताब्दी बस काफी तेज रफ्तार में थी। सामने से आ रहे ट्राले के चालक ने बस को अनियंत्रित देख अपनी सूझबूझ का परिचय दिया और भिड़ंत बचाने के लिए ट्रक को सड़क से नीचे उतार दिया। यदि ट्राला चालक ट्रक को किनारे न दबाता, तो जनहानि का आंकड़ा बेहद बड़ा हो सकता था। इसके बावजूद, बस चालक ने अनियंत्रित होकर ट्राले में जोरदार टक्कर मार दी।

पुलिस ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

हादसे की सूचना मिलते ही थाना राजपुर पुलिस मौके पर पहुँची। पुलिस ने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और राहत कार्य शुरू किया। घायल गोलू, रोहित, विकास, मनीष और दीनदयाल (सभी बस यात्री) इन सभी को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर भेजा गया। वहीं, हादसे में गंभीर रूप से घायल और केबिन में फंसे ट्रक चालक को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकालकर एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल रेफर किया।

इस दौरान मुगल रोड पर यातायात बाधित रहा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन सड़क के बीचों-बीच फंस गए, जिससे मुगल रोड पर कुछ समय के लिए आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। हालांकि, राजपुर पुलिस ने क्रेन की मदद से वाहनों को किनारे करवाया और यातायात को पुनः सुचारू रूप से चालू कराया। थाना पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया हादसा बस चालक की लापरवाही और नींद आने के कारण प्रतीत हो रहा है। मामले की जांच की जा रही है और क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है।

बौद्ध कथा वाचक को पीटा, आंबेडकर प्रतिमा तोड़ने का आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर के संगसियापुर गांव से कथा कहकर मंगलवार रात जा रहे बौद्ध कथा वाचक मिलन बौद्ध को रास्ते में कुछ लोगों ने पीट दिया, बचाव में दो साथियों संग भी मारपीट की गई।

आरोप है कि कथास्थल पर रखी आंबेडकर प्रतिमा को तोड़ दिया गया। गांव के ही कुछ युवकों पर आरोप लोग लगा रहे और कार्रवाई की मांग की है। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि कथास्थल पर जब अधिक संख्या में लोग रहते हैं तो प्रतिमा कैसे कोई तोड़ सकता है, फंसाने को यह किया गया है। गांव में तनाव की स्थिति है।

संगसियापुर गांव में कई दिन से बौद्ध कथा चल रही थी। मंगलवार रात करीब 11 बजे कथा करके जा रहे कथा वाचक मिलन बौद्ध को गांव के बाहर कुछ लोगों ने पीट दिया, बचाने में उनके दो साथियों से भी हाथापाई कर दी गई।

बुधवार सुबह कथास्थल के पास आंबेडकर प्रतिमा क्षतिग्रस्त मिली, दलित समाज के लोगों का कहना था कि दूसरे पक्ष के लोगों ने देरात इसे तोड़ा है और उन्हीं लोगों ने हमला भी कथावाचक पर किया है।

आरोपितों पर कार्रवाई की मांग की जा रही। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि देवी देवताओं को लेकर कथा में अभद्र टिप्पणी की जाती है, इसे लेकर दूसरे पक्ष को समझाया गया था, हमला किसने किया और कथास्थल पर लोग मौजूद रहते हैं ऐसे में आंबेडकर प्रतिमा तोड़ने का आरोप गलत लगाया जा रहा है, फंसाने को यह किया जा रहा।

मनोनीत सभासद व नव नियुक्त जिलामंत्री का सम्मान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात के सिकंदरा नगर पंचायत क्षेत्र में मनोनीत सभासद श्रीमती मंजू नायक एवं भारतीय जनता पार्टी में जिलामंत्री पद पर नियुक्त श्री विनोद सिंह नायक का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।उनके निज निवास सिकंदरा पर पहुंचे सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि सरदार प्रमोद सिंह केशावत, प्रशा हॉस्पिटल अकबरपुर के डायरेक्टर अनोज सिंह बंजारा, जिला पार्टी कार्यालय प्रभारी रमेश सिंह बंजारा एवं अधिवक्ता संतोष सिंह बंजारा ने पटका पहनाकर और भगवान श्री राधाकृष्ण जी की प्रतिमा भेंट कर दोनों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि क्षेत्र की जनता के विश्वास और समर्थन का प्रतीक है। श्रीमती मंजू नायक और श्री विनोद सिंह नायक अपने पद की गरिमा बनाए रखते हुए जनता की सेवा में समर्पित रहेंगे और पार्टी संगठन को नई मजबूती प्रदान करेंगे।

डिजिटलीकरण से बेटियां हो रहीं मजबूत
मिशन शक्ति से बढ़ रहा आत्मविश्वास

» आत्मनिर्भर बनाने की पहल अब जमीनी स्तर पर असर दिखाने लगी

» स्वराज इंडिया संवाददाता

रसूलाबाद, कानपुर देहात। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति के तहत ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। डिजिटल साक्षरता के माध्यम से छात्राओं को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की पहल अब जमीनी स्तर पर असर दिखाने लगी है।इसी क्रम में ब्लॉक क्षेत्र के एक संविलियन विद्यालय में डिजिटल साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को बैंकिंग सेवाओं, ऑनलाइन भुगतान, ई-कॉमर्स और इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को न केवल तकनीकी रूप से दक्ष बनाना, बल्कि उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना भी है।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्र, जिला समन्वयक अरुणेश सचान तथा खण्ड शिक्षा अधिकारी अजब सिंह के निर्देशन में

आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने छात्राओं को डिजिटल दुनिया की बारीकियों से अवगत कराया। कम्प्यूटर ऑपरेटर विपिन कुमार ने छात्राओं को कम्प्यूटर और टैबलेट के माध्यम से प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। छात्राओं ने स्वयं डिजिटल उपकरणों का उपयोग कर ऑनलाइन एप्लिकेशन चलाना, डिजिटल भुगतान करना और इंटरनेट ब्राउजिंग जैसी गतिविधियां सीखीं।कार्यक्रम के दौरान साइबर सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया। छात्राओं को बताया गया कि इंटरनेट का उपयोग करते समय किन सावधानियों का पालन करना चाहिए, अपने डाटा को कैसे सुरक्षित रखना है और ऑनलाइन ठगी से कैसे बचा जा सकता है। साथ ही डिजिटल एटिकेट (ऑनलाइन व्यवहार) के बारे में भी विस्तार से समझाया गया। शिक्षक धीरज कुमार ने छात्राओं को नियमित रूप से डिजिटल उपकरणों का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आज के समय में डिजिटल ज्ञान उतना ही आवश्यक है जितना सामान्य शिक्षा। उन्होंने कहा कि तकनीक के माध्यम से छात्राएं अपने भविष्य को नई दिशा दे सकती हैं। इस कार्यक्रम में मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी डॉ. अर्चना मिश्रा, जसवीर सिंह, प्रशांत, अक्षय त्रिपाठी, अनुजा विश्नोई, तृप्ति दीक्षित और अरविंद नीरज सहित अन्य शिक्षकों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही।

घर में घुसकर चोरी अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव में अज्ञात चोरों द्वारा घर में घुसकर चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है।मोहम्मदपुर गांव निवासी रमेश पुत्र विद्यासागर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती 21 मार्च की रात अज्ञात चोर उसके घर में घुस आए। चोरों ने अलमारी में रखे जेवरात और नगदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी होने पर पीड़ित ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

कानपुर देहात में भाजपा संगठन में उबाल नियुक्तियों के बाद बढ़ी अंदरूनी नाराजगी

जिला कार्यकारिणी गठन में कई सीनियर्स को किया गया किनारे सोशल मीडिया से लेकर अन्य जगहों पर हो रही है पार्टी की किरकिरी

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। भारतीय जनता पार्टी द्वारा हाल ही में जारी की गई संगठनात्मक सूची के बाद जिले की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। नई नियुक्तियों को लेकर पार्टी के भीतर ही असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। वरिष्ठ पदाधिकारियों और पुराने कार्यकर्ताओं की अनदेखी के आरोपों ने संगठन में बगावत जैसे हालात पैदा कर दिए हैं।बताया जा रहा है कि जिलाध्यक्ष रेणुका सचान और उनकी टीम के फैसलों से पार्टी के कई वरिष्ठ नेता नाराज हैं। उनका आरोप है कि लंबे समय से संगठन में सक्रिय और अनुभवी कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर विवादित छवि वाले चेहरों को जिम्मेदारी दी गई है। इससे जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं का मनोबल प्रभावित हुआ है।

सूत्रों के अनुसार, कई वरिष्ठ नेताओं ने इस मुद्दे पर खुलकर विरोध दर्ज कराने की तैयारी कर ली है। अंदरखाने बैठकों का दौर भी शुरू हो चुका है, जिसमें आगे की रणनीति पर चर्चा की जा रही है। कुछ कार्यकर्ताओं ने यहां तक कहा कि यदि समय रहते सुधार नहीं हुआ तो विरोध खुलकर सामने आएगा।

वहीं, जिलाध्यक्ष रेणुका सचान के समर्थकों का कहना है कि सभी नियुक्तियां संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की सक्रियता को ध्यान में रखते हुए की गई हैं। उनका दावा है कि विरोध केवल व्यक्तिगत असंतोष का परिणाम है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कानपुर देहात में भाजपा इस समय गुटबाजी के दौर से गुजर रही है। यदि शीर्ष नेतृत्व ने जल्द हस्तक्षेप नहीं किया तो आगामी चुनावों में इसका असर साफ दिखाई दे सकता है।

अब सभी की नजर पार्टी के प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व पर टिकी है कि वह इस बढ़ते असंतोष को कैसे संभालते हैं। आने वाले दिनों में होने वाली बैठकों और फैसलों से यह तय होगा कि संगठन में एकजुटता कायम रहती है या बगावत की चिंगारी और तेज होती है।

जिला अध्यक्ष भाजपा रेणुका सचान

सोशल मीडिया में इस तरह से पोस्ट करके कार्यकर्ता विरोध कर रहे हैं

जिला अध्यक्ष रेणुका सचान का कहना है कि जिन लोगों को सूची में शामिल नहीं किया गया है हो सकता है पार्टी उनके लिए और बेहतर अच्छा करना चाहती है इसलिए सभी पार्टी के हित में काम करें.

युवा चेहरा आशुतोष त्रिपाठी बने बीजेपी मंडल अध्यक्ष

» कहा कि संगठन मजबूती पर रहेगा फोकस

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। संगठनात्मक विस्तार के तहत नव मनोनीत मंडल उपाध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी ने अपने नए दायित्व को लेकर जिला अध्यक्ष श्रीमती रेणुका सचान एवं मंडल अध्यक्ष राजन शुक्ला का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे।आशुतोष त्रिपाठी ने कहा कि उनकी प्राथमिकता बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना और आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान कराना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि सभी मिलकर संगठन को और अधिक सशक्त बनाएं, ताकि पार्टी की नीतियां अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकें। उन्होंने विश्वास जताया कि वरिष्ठ नेतृत्व के मार्गदर्शन में संगठन को नई मजबूती मिलेगी और जनहित के कार्यों को गति प्रदान की जाएगी।

वीरसेन यादव ने दिग्गज नेताओं से की मुलाकात, सियासी हलचल तेज

राजनीतिक रणनीति, संगठन विस्तार और आगामी समीकरणों पर हुई गहन मंत्रणा

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात माती। आज नई दिल्ली में समाजवादी पार्टी के प्रांतीय नेता वीरसेन यादव ने कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियों से शिष्टाचार भेंट कर सियासी गतिविधियों को नया आयाम दिया। इस दौरान उन्होंने सांसद प्रिया सरोज, प्रतापगढ़ के लोकप्रिय सांसद डॉ. एसपी सिंह पटेल तथा कृभको एवं आईसीए के चेयरमैन डॉ. चंद्र पाल सिंह से उनके दिल्ली स्थित आवास पर मुलाकात की।

इस महत्वपूर्ण मुलाकात में प्रदेश की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों, संगठन की मजबूती और आगामी चुनावी रणनीतियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में जमीनी स्तर पर पार्टी को और सशक्त बनाने, कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने तथा सामाजिक समीकरणों को साधने पर विशेष जोर दिया गया।

इस दौरान वीरसेन यादव के साथ समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव लखन सिंह यादव, कांग्रेस कानपुर देहात के पूर्व जिलाध्यक्ष नरेश कटियार,

मुन्ना बाबू, रोहित कटियार, प्रवीण यादव और जय नारायण सिंह समेत कई प्रमुख कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

राजनीतिक गलियारों में इस मुलाकात को आगामी चुनावों की तैयारियों और नए समीकरणों के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

माना जा रहा है कि इस तरह की सक्रियता आने वाले समय में प्रदेश की राजनीति में बड़ा प्रभाव डाल सकती है।

जर्जर दीवार गिरने से महिला गंभीर घायल

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। मूसानगर थाना क्षेत्र के भरतौली गांव में शाम को जर्जर दीवार गिरने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई।जानकारी के अनुसार गांव निवासी सीता (40) पत्नी प्रेम घर के पास खाना बनाने के लिए दीवार के नजदीक गई थीं। तभी अचानक पुरानी और जर्जर दीवार भर भराकर उनके ऊपर गिर गई।

दीवार की ऊंचाई करीब 4 से 5 फीट और लंबाई 6 से 7 फीट बताई जा रही है।हादसे के बाद परिजनों ने तत्काल एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी देवीपुर में भर्ती कराया। देवीपुर सीएचसी अधीक्षक डॉ. विकास ने महिला की हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल अकबरपुर के लिए रेफर कर दिया, जहां उसका उपचार जारी है। ग्रामीणों के अनुसार दीवार काफी समय से जर्जर अवस्था में थी, जिससे यह हादसा हुआ।

खेत में दाह संस्कार को लेकर उठा विवाद

» गूंगी विधवा के विरोध के बीच पुलिस ने संभाली स्थिति, समझाVS के बाद हुआ अंतिम संस्कार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात (माती)। गजनेर थाना क्षेत्र के सरवनखेड़ा कस्बे में मंगलवार को एक युवक के दाह संस्कार के दौरान उस समय विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब एक गूंगी विधवा महिला ने खुद को भूमि का स्वामी बताते हुए चिता जलाने का विरोध शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए समझाइश के बाद अंतिम संस्कार संपन्न कराया।

सरवनखेड़ा निवासी प्रीतम दिवाकर (18) पुत्र स्वर्गीय, जन्मजात फेफड़ों की गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। लंबे समय तक इलाज के बावजूद उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ और मंगलवार को घर पर ही उनका निधन हो गया। परिजन शव को गांव के किनारे स्थित खेतों में ले गए, जहां चिता बनाकर अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। इसी दौरान पड़ोसी गांव बाबूराम पुरवा की गूंगी विधवा महिला गीता देवी (पत्नी स्व. राजाराम) मौके पर पहुंचीं और इशारों के माध्यम से उक्त भूमि को अपनी बताते हुए दाह संस्कार का विरोध करने लगीं। उन्होंने पुलिस को भी सूचना दी और शव के समीप खड़े होकर विरोध जताया। सूचना पर पहुंची पुलिस के सामने तब तक चिता में आग लग चुकी थी और शव आंशिक रूप से जल चुका था। ऐसे में पुलिस ने संवेदनशीलता दिखाते हुए महिला को समझाया और राजस्व विभाग में अपनी भूमि संबंधी आपत्ति दर्ज कराने की सलाह दी। इसके बाद महिला शांत हुई और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी कराई गई। थानाध्यक्ष सूर्यप्रताप सिंह ने बताया कि सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी, लेकिन तब तक शव आधजला हो चुका था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए महिला को समझा-बुझाकर अंतिम संस्कार संपन्न कराया गया।

मिट्टी खनन को लेकर बवाल
प्रशासनिक टीम पर हमले की कोशिश

रसूलाबाद के गोपालपुर गडरिया में अवैध मिट्टी स्थानांतरण पर कार्रवाई, ट्रैक्टर-मशीन जब्त

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद। कानपुर देहात। थाना क्षेत्र के अंतर्गत इटैली ग्राम पंचायत के गोपालपुर गडरिया गांव में मिट्टी खनन व लेवलिंग कार्य को लेकर उस समय तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब राजस्व विभाग और पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। अवैध रूप से मिट्टी के स्थानांतरण की शिकायत पर की गई इस कार्रवाई के दौरान हालात इतने बिगड़ गए कि प्रशासनिक टीम के साथ धक्का-मुक्की और हमले का प्रयास तक किया गया।

जानकारी के अनुसार, कानूनगो अनिल कुमार एवं असालतगंज चौकी प्रभारी केशव क्षेत्र में किसी कार्य से जा रहे थे, तभी उन्हें सूचना मिली कि गोपालपुर गडरिया में ट्रैक्टर और मशीन के माध्यम से मिट्टी की खुदाई कर उसे पास के एक प्लाट में डाला जा रहा है। सूचना मिलते ही दोनों अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और वहां चल रहे कार्य की जांच शुरू की।

जांच के दौरान कार्य करा रहे लोगों से मिट्टी खनन और परिवहन की अनुमति संबंधी दस्तावेज मांगे गए। इस पर संबंधित लोगों ने परमिशन होने की बात कही, लेकिन पड़ताल में सामने आया कि उन्हें केवल अपने खेत में फावड़े से खुदाई की अनुमति दी गई थी। जबकि मौके पर मशीनों के जरिए मिट्टी को एक स्थान से दूसरे स्थान, विशेष रूप से प्लाट तक ले जाया जा रहा था, जो नियमों के खिलाफ पाया गया। जैसे ही अधिकारियों ने कार्रवाई की बात कही, वहां मौजूद कुछ लोगों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए और हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति धीरे-धीरे तनावपूर्ण हो गई और कुछ लोगों ने प्रशासनिक टीम का विरोध करते हुए धक्का-मुक्की और हमले का प्रयास किया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

हालात बिगड़ते देख तत्काल रसूलाबाद थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही एसएसआई राम सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए महिला पुलिस कर्मियों को भी बुलाया गया। पुलिस की मौजूदगी में किसी तरह भीड़ को शांत कराया गया और स्थिति पर काबू पाया गया। प्रशासन ने मौके पर चल रहे अवैध कार्य को तत्काल रुकवाते हुए लेवलिंग में लगे ट्रैक्टर और मशीन को कब्जे में लेकर थाने भेज दिया। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, यहां मिट्टी का अवैध स्थानांतरण किया जा रहा था, जिस पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। एसएसआई राम सिंह ने बताया कि मौके से लेवलिंग मशीन सहित ट्रैक्टर को कब्जे में लिया गया है ।

पुलिस चौकी से 300 मीटर दूर तीन घरों में 20 लाख की चोरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात, माती। गजनेर थाना क्षेत्र के बिराहिनपुर गांव में बीती रात चोरों ने पुलिस व्यवस्था की पोल खोलते हुए एक साथ तीन घरों को निशाना बना डाला। पामा पुलिस चौकी से महज 300 मीटर की दूरी पर हुई इस दुस्साहसिक वारदात में चोरों ने 20 लाख रुपये से अधिक की नगदी, जेवरात व कीमती सामान पार कर दिया। एक ही रात में तीन घरों में चोरी से पूरे गांव में भय और आक्रोश व्याप्त है।

पुरानी चोरियों का नहीं हुआ खुलासा, तहरीरें फाइलों में कैद

जानकारी के अनुसार, चोर मकानों के पिछवाड़े से छत पर चढ़कर घरों में दाखिल हुए और बेखौफ होकर बंद कमरों के ताले तोड़ते रहे। किसान हरी किशन पाल के घर में घुसकर चोरों ने अलमारी व बक्सों के ताले तोड़ दिए और सोने-चांदी के जेवरात मंगलसूत्र, चैन, अंगूठी, तोड़िया, कमरबंद समेत करीब 15 लाख रुपये का माल समेट ले गए।

हैरत की बात यह रही कि घर के भीतर परिजन सोते रहे और चोर इत्मीनान से वारदात को अंजाम देकर निकल गए।

इसी क्रम में पवन कुमार के घर को भी निशाना बनाते हुए चोरों ने अलमारी व बक्सों के ताले तोड़कर करीब चार लाख रुपये कीमत के जेवरात व अन्य सामान पार कर दिया। वहीं धर्मराज के घर में भी चोरों ने धावा बोलकर नगदी व आभूषण समेट लिए। सुबह जब परिजन जागे तो घरों में सामान अस्त-व्यस्त देख उनके होश उड़ गए।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब घटना स्थल से पुलिस चौकी महज 300 मीटर दूर है, तो आखिर चोरों के हौसले इतने बुलंद कैसे हो गए? ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में पुलिस गश्त केवल कागजों तक सिमट कर रह गई है। रात के अंधेरे में कानून-व्यवस्था मानो गहरी नींद में सोई रही और चोर खुलकर वारदात को अंजाम देते रहे। ग्रामीणों में इस बात को लेकर जबरदस्त आक्रोश है कि पुलिस की निष्क्रियता और ढिलाई ने चोरों को खुली छूट दे रखी है। लोगों का कहना है कि यदि यही हालात रहे तो आमजन की सुरक्षा भगवान भरोसे ही रह जाएगी।

पुरानी घटनाओं का भी नहीं हुआ खुलासा

चिंताजनक पहलू यह है कि बीते दिनों क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओं का भी अब तक कोई ठोस खुलासा नहीं हो सका है। पीड़ितों की दी गई तहरीरें महज फाइलों में कैद होकर रह गई हैं, जबकि अपराधी खुलेआम कानून को चुनौती देते घूम रहे हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि पुलिसिया कार्रवाई केवल औपचारिकता बनकर रह गई है और अपराधियों में कानून का जरा भी भय नहीं बचा है।

नए थाना प्रभारी को चोरों ने दी 'सलामी'

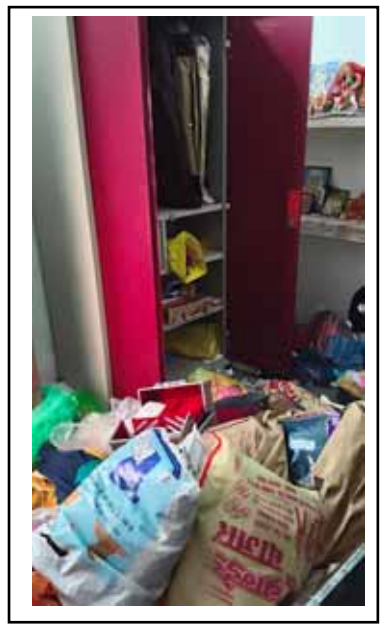

हाल ही में नए थाना प्रभारी की तैनाती के बाद क्षेत्रवासियों को सुरक्षा व्यवस्था में सुधार और लंबित मामलों के खुलासे की उम्मीद जगी थी। लेकिन तैनाती के कुछ ही दिनों के भीतर इस बड़ी वारदात ने पुलिस को खुली चुनौती दे दी है। ग्रामीणों का कहना है कि चोरों ने नई तैनाती को मानो 'सलामी' देते हुए यह दुस्साहसिक घटना अंजाम दी है। अब लोगों की निगाहें नए थाना प्रभारी पर टिकी हैं कि वे इन घटनाओं का पर्दाफाश कर क्षेत्र में कानून का खौफ बहाल कर पाते हैं या नहीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। गजनेर थानाध्यक्ष सूर्यप्रताप सिंह ने बताया कि तीन घरों में चोरी की घटना सामने आई है, तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अब 35 दिन बाद ही होगी गैस बुकिंग, नए नियम से बढ़ेगी उपभोक्ताओं की परेशानी

डबल सिलिंडर, उज्ज्वला और सिंगल कनेक्शन के लिए अलग-अलग समय सीमा तय, तय अवधि से पहले बुकिंग होगी स्वतः ब्लॉक

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर/लखनऊ। गैस किल्लत की समस्या से जूझ रहे उपभोक्ताओं के लिए आने वाले दिन और मुश्किल भरे हो सकते हैं। अब घरेलू एलपीजी सिलिंडर की बुकिंग को लेकर नए नियम लागू कर दिए गए हैं, जिनके तहत उपभोक्ताओं को तय अंतराल के बाद ही गैस बुकिंग की अनुमति मिलेगी।

नए नियम के अनुसार डबल सिलिंडर कनेक्शन रखने वाले उपभोक्ता अब 35 दिन बाद ही गैस बुक करा सकेंगे। वहीं प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सिलिंडर बुक करने के लिए 45 दिन तक इंतजार करना होगा। इसके अलावा एक सिलिंडर वाले उपभोक्ताओं के लिए यह अवधि 25 दिन निर्धारित की गई है।सबसे अहम बात यह है कि यदि कोई उपभोक्ता तय समय सीमा से पहले गैस बुक करने का प्रयास करता है तो सिस्टम द्वारा उसकी बुकिंग स्वतः ब्लॉक कर दी जाएगी। इससे पहले जहां उपभोक्ता आवश्यकता के अनुसार पहले भी बुकिंग करा लेते थे, अब यह सुविधा समाप्त कर दी गई है।नए नियम शहरी, ग्रामीण और दुर्गम सभी क्षेत्रों में समान रूप से लागू किए जाएंगे। इससे उन क्षेत्रों में भी उपभोक्ताओं को परेशानी झेलनी पड़ सकती है, जहां पहले से ही गैस की आपूर्ति अनियमित रहती है।

छोटे सिलिंडर के लिए भी तय हुआ अंतराल

घरेलू छोटे सिलिंडरों पर भी समय सीमा लागू की गई है

5 किलो सिलेंडर

शहरी क्षेत्र-	9 दिन
ग्रामीण क्षेत्र-	16 दिन

10 किलो कंपोजिट सिलेंडर

शहरी क्षेत्र-	18 दिन
ग्रामीण क्षेत्र-	32 दिन

आपूर्ति और मांग के संतुलन का तर्क

सूत्रों के अनुसार यह व्यवस्था गैस की उपलब्धता को संतुलित करने और कालाबाजारी रोकने के उद्देश्य से लागू की गई है। हालांकि, जमीनी स्तर पर इसका असर उपभोक्ताओं पर किस तरह पड़ेगा, यह आने वाले दिनों में साफ होगा।नई व्यवस्था से जहां सिस्टम को नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है, वहीं आम उपभोक्ता के लिए यह नियम अतिरिक्त चुनौती बनते नजर आ रहे हैं। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए क्या कदम उठाता है।

उपभोक्ताओं में बढ़ी चिंता

नए नियमों के लागू होने के बाद उपभोक्ताओं में असंतोष बढ़ने लगा है। लोगों का कहना है कि पहले ही कई स्थानों पर समय से गैस नहीं मिलती, बुकिंग की अवधि बढ़ने से घरेलू बजट और दैनिक जीवन दोनों प्रभावित होंगे।विशेष रूप से उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए 45 दिन का इंतजार करना कठिन माना जा रहा है, क्योंकि अधिकांश परिवार सीमित संसाधनों में ही घरेलू कामकाज चलाते हैं।

काशी विश्वाथ धाम: दर्शन के नाम पर पैसा वसूलने वालों पर कार्रवाई

» दशाश्वमेध पुलिस ने किया 9 लोगों को गिरफ्तार

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ धाम बनने के बाद से श्रद्धालुओं की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। लेकिन अक्सर श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराने के नाम पर उनके साथ दुर्व्यवहार और अवैध वसूली की घटनाएँ प्रकाश में आती रहती हैं। दशाश्वमेध पुलिस ने बुधवार को विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर दो से नौ लोगों को गिरफ्तार किया। ये सभी श्रद्धालुओं से सुगम दर्शन के नाम पर पैसे वसूलते थे। पुलिस के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज और सादा वेश में तैनात पुलिस टीम लगातार निगरानी कर रही थी। इसी दौरान इन लोगों को श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार करते हुए और उनसे पैसे की माँग करते पाया गया।पुलिस ने सभी नौ आरोपियों को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 172, 126 और 135 के तहत गिरफ्तार कर लिया है। लोगों को जागरूक करने के लिए ऐसे संदिग्ध व्यक्तियों की तस्वीरें मंदिर जाने वाले मार्गों पर विभिन्न स्थानों पर लगाई गई हैं।

प्रयागराज में दो प्रोफेसरों को जान से मारने की धमकी

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के कर्नलगंज थाना क्षेत्र में ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के दो प्रोफेसरों को डाक के जरिए जान से मारने की धमकी भरा पत्र भेजा गया है। मामले की गंभीरता देखते हुए पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायतकर्ता प्रोफेसर मान सिंह (शिक्षाशास्त्र विभाग) ने बताया कि 17 मार्च को विश्वविद्यालय परिसर में स्पीड पोस्ट से प्राप्त पत्र में उन्हें और उनके सहयोगी डॉ. हर्ष मणि सिंह (अर्थशास्त्र विभाग) को संबोधित कर बेहद अपमानजनक गालियां दी गईं तथा जान से मारने की साफ धमकी दी गई। पत्र 14 मार्च को आरएमएस के माध्यम से भेजा गया था।प्रोफेसर मान सिंह ने 22 मार्च को कर्नलगंज थाने में तहरीर देकर मामला दर्ज कराया।शिकायत में प्रोफेसरों ने बताया कि इस धमकी से वे मानसिक रूप से टूट चुके हैं। डर के मारे अवसाद और असुरक्षा की स्थिति बनी हुई है।

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, कानपुर देहात

पत्रांकः एस0एस0ए0/के0जी0बी0वी0/ खा0नि0/ 3050-/2025-26 **दिनांक 24/03/26**

जेम निविदा विज्ञप्ति

महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उ0प्र0 लखनऊ के पत्रांक के0जी0बी0वी0 / 8989/2025-26 दिनांक 19.02.2026 के द्वारा जनपद में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, गौर विकासखण्ड- अमरौधा में अध्ययनरत 200 छात्राओं के प्रयोगार्थ शैक्षिक सत्र 2026-27 में गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न सामग्री, दैनिक उपयोग सामग्री एवं अन्य सामग्री की आपूर्ति हेतु जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्राप्त अनुमोदन दिनांक 23.02.2026 के क्रम में जेम पोर्टल के माध्यम से निविदा संख्या GEM/2026/B/7380403 दिनांक 24.03.2026 निविदा में प्रतिभाग करने की अंतिम तिथि 09.04.2026 अपराह्न 10:00 बजे तक निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित नियम व शर्ते जेम पोर्टल पर उपलब्ध है।

(अजय कुमार मिश्र)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
कानपुर देहात

अयोध्या में 'सब ठीक है' का झूठ, और सड़कों पर हकीकत की भीड़!

बृजेश कुमार मिश्र डीएसओ अयोध्या

डीएसओ के दावों के बीच पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें, शशि गैस एजेंसी पर हंगामा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। जिले में ईंधन संकट को लेकर प्रशासन भले ही सब सामान्य होने का दावा कर रहा हो, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयान कर रही है। सिविल लाइन और अंगूरीबाग स्थित पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल भरवाने के लिए लोगों की लंबी कतारें देखी गईं, जिससे हालात की गंभीरता साफ झलकती है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सिविल लाइन चौकी इंचार्ज को पुलिस बल के साथ मौके पर तैनात रहना पड़ा।

इसी बीच जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश मिश्रा ने अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील करते हुए कहा कि जिले में पेट्रोल, डीजल और गैस की कोई कमी नहीं है और ईंधन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। हालांकि, उनके इस बयान के उलट शशि गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा,

जहां गैस सिलेंडर की कमी को लेकर हंगामा हुआ और पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन वास्तविक स्थिति को नजरअंदाज कर रहा है और सिर्फ कागजों में व्यवस्था दुरुस्त दिखाने का प्रयास हो रहा है। सवाल उठ रहा है कि जब सब कुछ सामान्य है, तो फिर सड़कों पर यह अफरातफरी क्यों? आखिरकार, सच क्या है–प्रशासन का दावा या जनता का अनुभव?

सत्ता की छांव में 'निर्मला'- जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी की चुप्पी या सांठगांठ?

कुख्यात अस्पताल के मंच पर सम्मान, सवालों के घेरे में संगठन की नैतिकता

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। सत्ता की सीढ़ियां अब सेवा से नहीं, समीकरणों से चढ़ी जा रही हैं–और इस खेल में नया नाम जुड़ गया है भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी का। शहर में बदनामी का पर्याय बन चुके निर्मला अस्पताल के संचालक के साथ उनकी मंच साझा करती तस्वीरें अब महज शिष्टाचार नहीं, बल्कि सियासी संदेश बन चुकी हैं।

स्वराज इंडिया
अभी निर्मला हॉस्पिटल को कोई क्लीन चिट नहीं!

जिस अस्पताल पर लापरवाही, अव्यवस्था और शोषण के आरोप वर्षों से तैर रहे हों, उसके पक्ष में खड़े दिखना–क्या यह महज संयोग है या फिर सत्ता संरक्षण का संकेत? अंगवस्त्र और मोमेंटो की आड़ में जो तस्वीर सामने आई है, वह साफ बताती है कि अब सेवा नहीं, सेटिंग ही असली पहचान बन चुकी है।पीड़ित परिवार और अयोध्या की जनता कह रही है कि –यह सिर्फ एक सम्मान समारोह नहीं था, बल्कि सिस्टम के सरेंडर का सार्वजनिक प्रदर्शन था। राधेश्याम त्यागी की यह खामोशी कई सवाल खड़े करती है–क्या संगठन अब आरोपित संस्थानों का ढाल बनेगा? या फिर जनता को न्याय दिलाने की जगह संबंध निभाने में व्यस्त रहेगा? अयोध्या की सियासत में यह नया अध्याय साफ संकेत दे रहा है कि यहां अब रामराज्य नहीं, रिश्ताराज चल रहा है।

84 कोसी परिक्रमा पथ या पेड़ों का 'परलोक मार्ग'?

विकास के नाम पर हरियाली का कत्ल!

84 कोसी परिक्रमा की आड़ में धड़ल्ले से कटान, जिम्मेदार 'देखेंगे' मोड में, ग्रामीण आक्रोशित

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। 84 कोसी परिक्रमा पथ इन दिनों श्रद्धा से ज्यादा शिकार का रास्ता बनता दिख रहा है जहां आस्था के नाम पर हरियाली की सुनियोजित हत्या हो रही है। बीकापुर-इनायतनगर-रेवतीगंज मार्ग पर आम, महुआ, शीशम और अर्जुन जैसे पेड़ इस तरह गिराए जा रहे हैं, मानो विकास की फाइल तभी आगे बढ़ेगी जब हरियाली पूरी तरह दम तोड़ दे।विडंबना देखिए जहां-जहां पेड़ों की बलि ली जा रही है, वहां से परिक्रमा पथ सैकड़ों मीटर दूर है। यानी रास्ता कहीं और, कुल्हाड़ी कहीं और! ग्राम पंचायत घुरेहटा के राम गोबिंद के पुरवा से रुइहन पुरवा मोड़ तक का मंजर तो साफ बता रहा है कि यह निर्माण नहीं, नियोजित सफाया अभियान है। जिम्मेदार विभागों का रवैया भी कम दिलचस्प नहीं। वन विभाग सर्वे का हवाला देकर हाथ खड़े कर रहा है, तो प्रशासन जांच के वादों की चादर ओढ़कर सोया हुआ है। उधर पर्यावरण प्रेमी श्रवणजीत और क्षेत्र पंचायत सदस्य ने शिकायतें दर्ज कर दी हैं, लेकिन फाइलों की चाल पेड़ों की कटती सांसों से कहीं धीमी है। ग्रामीणों का सीधा सवाल है अगर विकास की कीमत हरियाली है, तो यह सौदा आखिर किसके हित में है? अब देखना यह है कि प्रशासन पहले जागेगा या इलाके का आखिरी पेड़ ही अंतिम सांस लेगा।

रामनवमी से पहले चमकी अयोध्या, व्यवस्थाओं से सजी रामनगरी

» घाटों की धुलाई, चेंजिंग रूम, पेयजल और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

» योगी सरकार के निर्देशन में नगर निगम हुआ अलर्टसवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनवमी के पावन अवसर पर रामनगरी अयोध्या को भव्य, स्वच्छ और श्रद्धालु-अनुकूल बनाने के लिए नगर निगम ने व्यापक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देशन और निरंतर समीक्षा के बाद शहर में व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया है।

सरयू तट के सभी प्रमुख घाटों को जेटिंग मशीनों से नियमित धुलवाया जा रहा है, ताकि श्रद्धालु स्वच्छ वातावरण में स्नान कर सकें। नागेश्वर नाथ मंदिर और हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर बालू छिड़काव के साथ प्लास्टिक मैट बिछाई जा रही है, जिससे फिसलन से बचाव हो सके।श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 68 अस्थाई और 9 स्थाई निःशुल्क चेंजिंग रूम बनाए गए हैं, साथ ही बायो टॉयलेट और मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था भी की गई है। पेयजल के लिए 81 वाटर कूलर और 25 वाटर कियोस्क 24 घंटे सेवा देंगे। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार के अनुसार सफाई, प्रकाश और भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष टीमें तैनात हैं। महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि इन व्यवस्थाओं से लाखों श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के रामनवमी का पर्व मना सकेंगे।

नवरात्रि की सातवीं देवी मां कालरात्रि की पावन कथा

मां दुर्गा की यह सातवीं शक्ति कालरात्रि के नाम से जानी जाती है अर्थात जिनके शरीर का रंग घने अंधकार की तरह एकदम काला है। नाम से ही जाहिर है कि इनका रूप भयानक है। सिर के बाल बिखरे हुए हैं और गले में विद्युत की तरह चमकने वाली माला है। अंधकारमय स्थितियों का विनाश करने वाली शक्ति हैं कालरात्रि। काल से भी रक्षा करने वाली यह शक्ति है।

इस देवी के तीन नेत्र हैं। ये तीनों ही नेत्र ब्रह्मांड के समान गोल हैं। इनकी सांसों से अग्नि निकलती रहती है। ये गर्दभ की सवारी करती हैं। ऊपर उठे हुए दाहिने हाथ की वर मुद्रा भक्तों को वर देती है। दाहिनी ही तरफ का नीचे वाला हाथ अभय मुद्रा में है। यानी भक्तों हमेशा निडर, निर्भय रहो।

बाईं तरफ के ऊपर वाले हाथ में लोहे का कांटा तथा नीचे वाले हाथ में खड्ग है। इनका रूप भले ही भयंकर हो लेकिन ये सदैव शुभ फल देने वाली मां हैं। इसीलिए ये शुभंकरी कहलाईं अर्थात् इनसे भक्तों को किसी भी प्रकार से भयभीत या आतंकित होने की कतई आवश्यकता नहीं। उनके साक्षात्कार से भक्त पुण्य का भागी बनता है।

कालरात्रि की उपासना करने से ब्रह्मांड की सारी सिद्धियों के दरवाजे खुलने लगते हैं और तमाम आसुरी शक्तियां उनके नाम के उच्चारण से ही भयभीत होकर दूर भागने लगती हैं। इसलिए दानव, दैत्य, राक्षस और भूत-प्रेत उनके स्मरण से ही भाग जाते हैं।

ये ग्रह बाधाओं को भी दूर करती हैं और अग्नि, जल, जंतु, शत्रु और रात्रि भय दूर हो जाते हैं। इनकी कृपा से भक्त हर तरह के भय से मुक्त हो जाता है।

एकवेणी जपाकर्णपूरा नग्ना खरास्थिता।
लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी तैलाभ्यक्तशरीरिणी॥
वामपादोल्लसल्लोहलताकण्टकभूषणा।
वर्धनमूर्धध्वजा कृष्णा कालरात्रिर्भयंकरी॥

पौराणिक कथा के अनुसार रक्तबीज नामक राक्षस ने देववा और मनुष्य सभी त्रस्त थे। रक्तबीज राक्षस की विशेषता यह थी कि जैसे ही उसके रक्त की बूंद धरती पर गिरती तो उसके जैसा एक और राक्षस पैदा हो जाता था। इस राक्षस से परेशान होकर समस्या का हल जानने सभी देवता भगवान शिव के पास पहुंचे। भगवान शिव को पता था कि इसका वध अंत में देव पार्वती ही करेंगी। भगवान शिव ने माता से अनुरोध किया। इसके बाद मां पार्वती ने स्वंय शक्ति व तेज से मां कालरात्रि को उत्पन्न किया।

इसके बाद जब मां ने दैत्य रक्तबीज का अंत किया और उसके शरीर से निकलने वाले रक्त को मां कालरात्रि ने जमीन पर गिरने से पहले ही अपने मुख में भर लिया। इस रूप में मां पार्वती कालरात्रि कहलाई।

मिडिल ईस्ट में जंग रोकने की कोशिश

ट्रंप का ईरान को 15 सूत्रीय प्रस्ताव

पाकिस्तान बना मिडियेटर

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी भीषण संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के सामने 15 सूत्रीय शांति प्रस्ताव रखकर कूटनीतिक हल की नई पहल की है। करीब 25 दिनों तक चले सैन्य तनाव और हमलों के बाद अमेरिका अब युद्धविराम की दिशा में आगे बढ़ता दिख रहा है। इस प्रस्ताव को पाकिस्तान के जरिए ईरान तक पहुंचाया गया है, जिससे इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान की मध्यस्थ भूमिका अहम हो गई है।

सूत्रों के मुताबिक, प्रस्ताव में सबसे प्रमुख शर्त एक महीने के तत्काल युद्धविराम की है, जिससे दोनों पक्षों को बातचीत के लिए समय मिल सके। इसके साथ ही अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह रोकने, यूरेनियम संवर्धन बंद करने और अंतरराष्ट्रीय निरीक्षण स्वीकार करने की मांग रखी है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह प्रस्ताव द न्यूयार्क टाइम्स में प्रकाशित जानकारी के बाद वैश्विक स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है। इसमें कहा गया है कि यह योजना पाकिस्तान के मध्यस्थों के जरिए तेहरान तक पहुंचाई गई है। इससे पहले पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता कराने की पेशकश की थी, जिसे ट्रंप प्रशासन ने स्वीकार कर लिया।

इस संभावित वार्ता में अमेरिका की ओर से वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं, जबकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी 'सार्थक संवाद' कराने की प्रतिबद्धता जताई है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर शरीफ के संदेश को साझा कर संकेत दिया कि बातचीत की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है।

- 15 सूत्रीय प्रस्ताव में 1 महीने का युद्धविराम सबसे अहम बिंदु
- परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह बंद करने की शर्त
- प्रॉक्सी संगठनों को समर्थन खत्म करने का दबाव
- होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने की मांग
- बदले में अमेरिका द्वारा प्रतिबंधों में राहत का प्रस्ताव
- पाकिस्तान की मध्यस्थ भूमिका से कूटनीति को नई दिशा

प्रस्ताव के तहत अमेरिका ने ईरान की सैन्य संरचना और बैलिस्टिक मिसाइल क्षमताओं को सीमित करने की शर्त भी रखी है। साथ ही ईरान से यह अपेक्षा की गई है कि वह हिजबुल्लाह और हूती जैसे क्षेत्रीय संगठनों को वित्तीय और सैन्य सहायता देना बंद करे। यह मांग सीधे तौर पर ईरान के 'प्रॉक्सी नेटवर्क' को खत्म करने से जुड़ी है, जो मिडिल ईस्ट की राजनीति में उसकी ताकत का प्रमुख आधार रहा है।

इसके अलावा रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्ट्रेट आफ होर्मूज को पूरी तरह खुला रखने की शर्त भी प्रस्ताव में शामिल है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित न हो। बदले में अमेरिका ने संकेत दिया है कि यदि ईरान इन शर्तों को मान लेता है, तो उस पर लगे आर्थिक प्रतिबंधों में व्यापक राहत दी जा सकती है।

हालांकि, अब तक ईरान की ओर से इस प्रस्ताव पर कोई सकारात्मक संकेत नहीं मिला है। तेहरान पहले ही अमेरिका के साथ सीधे संवाद की संभावना को खारिज कर चुका है। ईरान का तर्क है कि पिछली वार्ताओं के दौरान अमेरिका द्वारा सैन्य कार्रवाई किए जाने से भरोसा कमजोर हुआ है, ऐसे में नई शर्तों पर सहमति बनना आसान नहीं होगा।

क्या है अमेरिका की रणनीति?

- अमेरिका इस प्रस्ताव के जरिए दोहरी रणनीति पर काम कर रहा है–एक तरफ सैन्य दबाव बनाकर ईरान को कमजोर करना और दूसरी ओर कूटनीतिक रास्ते से स्थायी समाधान निकालना। यह 'प्रेशर एंड नेगोशिएशन' मॉडल पहले भी अपनाया गया है।

ईरान क्यों नहीं मान सकता?

- ईरान के लिए परमाणु कार्यक्रम और प्रॉक्सी नेटवर्क उसकी सुरक्षा और क्षेत्रीय प्रभाव का मुख्य आधार हैं। इन्हें छोड़ना उसके लिए रणनीतिक आत्मसमर्पण जैसा होगा। साथ ही अमेरिका पर भरोसे की कमी भी बड़ी बाधा है।

पाकिस्तान की भूमिका कितनी अहम?

- पाकिस्तान की मध्यस्थता इस पूरे घटनाक्रम में महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है। इस्लामाबाद दोनों पक्षों के बीच संवाद की सेतु बनकर क्षेत्रीय कूटनीति में अपनी भूमिका मजबूत करने की कोशिश कर रहा

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com